

**आयोजन** सीबीआरआई रुड़की में विज्ञान महोत्सव का किया गया आयोजन

# जिज्ञासु दृष्टिकोण अपनाने को किया प्रेरित

जागरण संवाददाता, रुड़की : केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) रुड़की में शुक्रवार को विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें स्कूल-कॉलेजों के विद्यार्थियों, शिक्षकों और आम जनता ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एके मिनोचा ने बताया कि चौथा अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव पांच-आठ अक्टूबर के मध्य लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित किया जाएगा। उन्होंने इसमें अधिकाधिक लोगों को प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित किया। विज्ञान भारती देहरादून क्षेत्र उत्तराखंड के अध्यक्ष डॉ. महेश भट्ट ने बताया कि भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव में स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे कार्यक्रमों में अपने ज्ञान एवं विचारों को साझा करने के लिए युवाओं को मंच प्रदान किया जाएगा। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने विज्ञान में युवाओं के लिए करियर के अवसर और वैज्ञानिक जुनून-उत्तम शिक्षा और अंधविश्वास के विरुद्ध जंग विषय पर व्याख्यान दिया।



सीबीआरआई रुड़की में आयोजित विज्ञान महोत्सव में उपस्थित छात्र-छात्राएं।

कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए जो चरित्र निर्माण, मन सुदृढ़ एवं बृद्धि विस्तार कर अपने पैरों पर खड़ा होने में सक्षम बना सके। उन्होंने विद्यार्थियों को जिज्ञासु दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। सीबीआरआई-सिम्फर धनबाद के क्षेत्रीय केंद्र के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरडी द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी से परिचय पर व्याख्यान दिया। इस दौरान प्रतिभागियों ने संस्थान की ग्रामीण पार्क, भवन दक्षता, अग्नि अनुसंधान

आदि प्रयोगशालाओं का भ्रमण किया। साथ ही वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श सत्र में भाग लिया। कार्यक्रम में चिल्ड्रेंस सीनियर एकेडमी, मैथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज, न्यू एरा पब्लिक स्कूल, कॉलेज आफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मदरहुड यूनिवर्सिटी और केंद्रीय विद्यालय देहरादून के सैकड़ों विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस मौके पर डॉ. एस सरकार, अनिल कुमार, शिल्पी जैन, बी श्रीनिवास, पलक गोयल, मेहराजुद्दीन, हरीश, प्रदीप कपूरिया आदि उपस्थित रहे।

E-paper link:

<http://epaper.livehindustan.com/epaperimages/29092018/29092018-RRK-DDN-08.PDF>



रुड़की सीबीआरआई में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं। ● हिन्दुस्तान

## छात्र अंधविश्वास का अंत करें

रुड़की | हमारे संवाददाता

केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में विद्यालयों के बच्चों, शिक्षकों, उद्योग जगत के लोगों, मीडिया तथा जनता के लिए विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए वैज्ञानिक डॉ.एके मिनोचा ने बताया कि चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। निदेशक डॉ.एन गोपाल कृष्णन की ओर से डॉ. एके मिनोचा लखनऊ में होने वाले आईआईएसएफ 2018 में प्रतिभाग लेने हेतु सभी को आमंत्रित किया गया। डॉ. महेश भट्ट ने आईआईएसएफ 2018

पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष आईआईएसएफ 2018 का विषय परिवर्तन के लिए विज्ञान रखा गया है जिसमें स्वच्छ भारत अभियान, स्वस्थ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे प्लेगशिप कार्यक्रमों में अपने ज्ञान और विचारों को साझा करने हेतु युवाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है।

डॉ.अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को विज्ञान में युवाओं के लिए कैरियर के अवसर पर एक व्याख्यान के साथ प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो चरित्र निर्माण, मनसुद्ध एवं बुद्धि विस्तार कर, अपने पैरों पर खड़े होने में सक्षम करे। इसके अलावा डॉ. अतुल अग्रवाल ने वैज्ञानिक जूनून,

उत्तम शिक्षा और अंधविश्वास के विरुद्ध जंग विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ.आरडी द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी से परिचय पर एक व्याख्यान दिया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूल और कालेजों जिनमें चिल्ड्रेन सांनियर एकेडमी, मेथोडिस्ट ग्लेस (पीजी) कालेज, न्यू एरा पब्लिक स्कूल, कालेज आफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मद्रहड यूनिवर्सिटी और केन्द्रीय विद्यालय नंबर 1 बड़कलां देहरादून के 500 से अधिक विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ दो सत्रों में भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. एस. सरकार, अनिल कुमार, शिल्पी जैन, बी श्रीनिवास, पलक गोयल, मेहराजुदीन, हरीश, प्रदीप कपूरया आदि उपस्थित थे।

# चरित्र निर्माण करने वाली हो शिक्षा

## सीबीआरआई में भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-18 अग्रगामी कार्यक्रम का आयोजन

अमर उजाला ब्यूरो

रुड़की। सीबीआरआई में शुक्रवार को विज्ञान महोत्सव हुआ, जिसमें स्कूलों और कॉलेजों के छात्र और शिक्षक शामिल हुए। इस दौरान विशेषज्ञों ने विज्ञान एवं कला से जुड़े विषयों पर व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं का भ्रमण कर विज्ञान एवं तकनीकी बारीकी जानी। संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एके मिश्रा ने बताया कि चौथा भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ-2018) 5-8 अक्टूबर 2018 तक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में होगा। कहा कि इसी की तर्ज पर सीबीआरआई में शुक्रवार को अग्रगामी विज्ञान महोत्सव मनाया जा रहा है।

डॉ. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को विज्ञान में युवाओं के लिए कैरियर के अवसर विषय पर व्याख्यान दिया। कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो चरित्र निर्माण, मन सुदृढ़ और बुद्धि



रुड़की स्थित सीबीआरआई में आयोजित विज्ञान महोत्सव कार्यक्रम में उपस्थित छात्र-छात्राएं व वैज्ञानिक। अमर उजाला

विस्तार कर, अपने पैरों पर खड़े होने में सक्षम करे। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के प्रति एक जिज्ञासु दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। डा. अग्रवाल ने वैज्ञानिक जुनून उत्तम

शिक्षा और अंधविश्वास के विरुद्ध जंग विषय पर भी व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ. महेश भट्ट ने आईआईएसएफ-2018 पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष

आईआईएसएफ में स्वच्छ भारत अभियान, स्वस्थ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रमों में अपने ज्ञान और विचारों

को साझा करने के लिए युवाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। सीबीआरआई-सिम्फर धनबाद के क्षेत्रीय केंद्र, सीबीआरआई कैंपस रुड़की के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरडी द्विवेदी, ने सुरंग अभियांत्रिकी से परिचय पर एक व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं ग्रामीण पार्क, भवन दक्षता, अग्नि अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी - मृदा उत्पाद आदि का भ्रमण किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूल और कॉलेजों, जिनमें चिल्ड्रेंस सोनियर एकेडमी, मेथोडिस्ट गर्ल्स (पीजी) कॉलेज, न्यू एरा पब्लिक स्कूल, कॉलेज ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मदरहुड यूनिवर्सिटी और केंद्रीय विद्यालय न.1 बड़कला देहरादून के करीब 500 विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ दो सत्रों में भाग लिया। इस अवसर पर डॉ. एस. सरकार, अनिल कुमार, शिल्पी जैन, बी.श्रीनिवास, पलक गोयल, मेहराजुदीन आदि उपस्थित रहे।



# विज्ञान महोत्सव-2018 अग्रगामी कार्यक्रम आयोजित

उत्तर भारत लाइव ब्यूरो  
uttarabharatlive.com

रूड़की। सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में विद्यालयों के बच्चों, शिक्षकों, उद्योग जगत के लोगों, मीडिया तथा जनता के लिए विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दो सत्रों में आईआईएसएफ 2018 के अग्रगामी प्रसंग के रूप में आयोजित किया गया जिसमें स्कूलों और कॉलेजों के बच्चों, शिक्षकों तथा आम लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. ए. के. मिनोचा ने बताया कि चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ 2018) 5-8 अक्टूबर 2018 लखनऊ में

**वैज्ञानिक जून विकसित कर विद्यार्थी करेंगे अंधविश्वासों का अंत**  
»»  
**सीएसआईआर ने जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी**



आयोजित किया जायेगा। विभा देहरादून क्षेत्र उत्तरखण्ड के अध्यक्ष, डॉ. मेहेरा भट्ट ने आईआईएसएफ 2018 पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष आईआईएसएफ 2018 का विषय परिवर्तन के लिए विज्ञान (साइंस फॉर ट्रांसफॉर्मेशन) रखा गया है जिसमें स्वच्छ भारत अभियान, स्वस्थ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रमों में अपने ज्ञान और विचारों को साझा करने हेतु युवाओं को मंच प्रदान किया जा रहा

सक्षम करे। साथ के सत्र में डॉ. अतुल अग्रवाल ने वैज्ञानिक जून: उत्तम शिक्षा और अंधविश्वास के विरुद्ध जंग विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि सीएसआईआर ने देश के ताने-बाने की पहचान अमिट स्याही के विकास से शुरूआत कर, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। सीबीआरआई-सिम्र, धनबाद के क्षेत्रीय केंद्र, सीबीआरआई कैम्पस, रूड़की के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर. डी. द्विवेदी ने सुरुंग अभियंत्रिकी से परिचय पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने सुरंगों के महत्व, उपयोग, निर्माण तकनीकों और उपकरण के बारे में बताया। डॉ. अतुल अग्रवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी, ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया। प्रतिभागियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं ग्रामीण पार्क, भवन दक्षता, अग्नि अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-मृदा उत्पाद आदि का भ्रमण किया तथा संस्थान द्वारा किए गए नवीनतम विकास तथा प्रौद्योगिकियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श सत्र में भाग लिया जहां उन्होंने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया तथा अपनी ज्ञान पिपासा को शांत किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूल और कॉलेजों के 500 से अधिक विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ दो सत्रों में भाग लिया। इस अवसर पर निदेशक डा. एन गोपाल कृष्णन, डॉ. एस सरकार, अनिल कुमार, मौजूद थे।

## छात्र करेंगे अंधविवास का अंत : डा. अतुल

■ रुड़की/एसएनबी।

केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर) में आयोजित विज्ञान महोत्सव में विभिन्न स्कूलों व कॉलेजों के छात्रों, शिक्षकों और आम लोगों ने भाग लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डा. एके मिनोचा ने बताया कि चौथा भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव पांच से आठ अक्टूबर के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। निदेशक डा. एन. गोपालकृष्णन की ओर से डा. एके मिनोचा ने लखनऊ में होने वाले आईआईएसएफ-2018 में प्रतिभाग लेने हेतु सभी को आमंत्रित किया। देहरादून क्षेत्र उत्तराखंड के अध्यक्ष, डा. महेश भट्ट ने बताया कि इस वर्ष आईआईएसएफ 2018 का विषय परिवर्तन के लिए विज्ञान 'साईंस फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' रखा गया है। जिसमें स्वच्छ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रमों में अपने ज्ञान और विचारों को साझा करने हेतु युवाओं को मंच प्रदान

किया जा रहा है।

डा. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को "विज्ञान में युवाओं के लिए करियर के अवसर पर एक व्याख्यान के साथ प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो चरित्र निर्माण, मन सुदृढ़ एवं बुद्धि विस्तार कर, अपने पैरों पर खड़े होने में सक्षम करें। यह हमें हर गलत धारणा, मिथक और अंधविश्वास से स्वतंत्र कर, हमें दुनिया का सामना करने की शक्ति प्रदान करती है। प्रधान वैज्ञानिक डा. आरडी द्विवेदी, ने सुरंगों के महत्व, उपयोग, निर्माण तकनीकों के बारे में जानकारी दी।

### सीएसआईआर में विज्ञान महोत्सव का समापन

प्रतिभागियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं, ग्रामीण पार्क, भवन दक्षता, अग्नि अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, मृदा उत्पाद आदि का भ्रमण किया। कार्यक्रम में विल्ड्रेन्स सीनियर एकेडमी, मेथोडिस्ट गर्ल्स पीजी कॉलेज, न्यू एरा पब्लिक स्कूल, कॉलेज ऑफ एडवांस्ड टेक्नोलॉजी, मदरहुड यूनिवर्सिटी और केन्द्रीय विद्यालय नम्बर एक, बड़कला देहरादून के छात्रों व शिक्षकों ने भाग लिया।



रुड़की : केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में आयोजित विज्ञान महोत्सव में मौजूद छात्र।



# विज्ञान महोत्सव का आयोजन

रुड़की। आगामी 5 अक्टूबर से लखनऊ में आयोजित होने वाले चौथे तीन दिवसीय आईआईएसएफकार्यक्रम की तैयारी को लेकर सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में आज विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में विद्यालयों के बच्चों, शिक्षकों, उद्योग जगत के लोगो के अलावा मीडिया व आमजन प्रतिभाग किया। विभा देहरादून क्षेत्र उत्तराखंड के अध्यक्ष, डॉ. महेश भट्ट ने आइआईएसएफ-2018 पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष आईआईएसएफ-2018 का विषय परिवर्तन के लिए विज्ञान (साइंस फॉर ट्रांसफॉर्मेशन) रखा गया है जिसमें स्वच्छ भारत अभियान, स्वस्थ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रमों में अपने ज्ञान और विचारों को साझा करने हेतु युवाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। डॉ. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को विज्ञान में युवाओं के लिए कैरियर के अवसर पर एक व्याख्यान के साथ प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो चरित्र निर्माण, मन सुदृढ़ एवं बुद्धि

विस्तार कर, अपने पैरों पर खड़े होने में सक्षम करे। संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आर.डी. द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी से परिचय पर एक व्याख्यान दिया। उन्होंने सुरंगों के महत्व, उपयोग, निर्माण तकनीकों और उपकरण के बारे में बताया। यहां पहुंचे प्रतिभागियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं ग्रामीण पार्क, भवन दक्षता, अग्नि अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-मृदा उत्पाद आदि का भ्रमण किया तथा संस्थान द्वारा किए गए नवीनतम विकास तथा प्रौद्योगिकियों की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम संचालक डॉ. अतुल अग्रवाल ने बताया कि आज महोत्सव में विभिन्न स्कूल और कॉलेजों के 500 से अधिक छात्रों व शिक्षकों ने आयोजित दो सत्रों में भाग लिया। विज्ञान महोत्सव की अध्यक्षता संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. ए.के. मिनोचा ने की। इस अवसर पर निदेशक डा. एन. गोपाल कृष्णन, डॉ. एस. सरकार, अनिल कुमार, शिल्पी जैन, बी.श्रीनिवास, पलक गोयल, मेहराजुदीन, हरिश, प्रदीप कपूरीया आदि मौजूद रहे।

सीएसआईआर में विज्ञान महोत्सव का आयोजन, स्कूल, कॉलेजों के बच्चों और शिक्षकों व आम लोगों ने बढ़-चढ़कर लिया भाग

## जिज्ञासा से होता है रचनात्मकता और नवाचार का सृजन

भास्कर समाचार सेवा

**रुड़की।** सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान रुड़की में विद्यालयों के बच्चों, शिक्षकों, उद्योग जगत के लोगों, मीडिया तथा जनता के लिए 'विज्ञान महोत्सव' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित किया गया, जिसमें स्कूलों और कॉलेजों के बच्चों, शिक्षकों तथा आम लोगों ने बढ़-चढ़कर प्रतिभाग किया।

संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एके मिनोचा ने बताया कि चौथा भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ-



सीएसआईआर में विज्ञान महोत्सव के दौरान स्कूल-कालेज के छात्रों को व्याख्यान देते वैज्ञानिक।

2018) 5 से 8 अक्टूबर 2018 के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। विभा देहरादून क्षेत्र उत्तराखंड के अध्यक्ष, डॉ. महेश

भट्ट ने बताया कि इस वर्ष आईआईएसएफ-2018 का विषय 'परिवर्तन के लिए विज्ञान' रखा गया है, जिसमें स्वच्छ भारत अभियान, स्वस्थ भारत अभियान,

मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रमों में अपने ज्ञान और विचारों को साझा करने हेतु युवाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। डॉ. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को 'विज्ञान में युवाओं के लिए कैरियर के अवसर' पर एक व्याख्यान के साथ प्रेरित किया। उन्होंने विद्यार्थियों को जीवन के प्रति एक जिज्ञासु दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि जिज्ञासा से रचनात्मकता और नवाचार का सृजन होता है। सभी को अपने परिवेश के बारे में जानने, सवाल करने और चीजों

के क्या, क्यों और कैसे के बारे में समझने हेतु उत्सुक होना चाहिए। यह हमें अधविश्वास से मुक्त, एक नई और अभिनव दुनिया के निर्माण करने में मदद करेगा।

साय के सत्र में डॉ. अतुल अग्रवाल ने 'वैज्ञानिक जुनून: उत्तम शिक्षा और अधविश्वास के विरुद्ध जंग' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। सीबीआरआई-सिंफर, धनबाद के क्षेत्रीय केंद्र, सीबीआरआई कैम्पस, रुड़की के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. आरडी द्विवेदी ने सुरंगों के महत्व, उपयोग, निर्माण तकनीकों और उपकरण के बारे में बताया।

# भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव कार्यक्रम आयोजित

रूड़की, 28 सितम्बर (गोपाल नारसन): सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में विद्यालयों के बच्चों, शिक्षकों, उद्योग जगत के लोगों, मीडिया तथा जनता के लिए विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दो सत्रों में आईआईएसएफ-2018 के अग्रगामी प्रसंग के रूप में आयोजित किया गया जिसमें स्कूलों और कॉलेजों के बच्चों, शिक्षकों तथा आम लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डा. एके मिनोचा ने बताया कि चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ-2018) 5-8 अक्टूबर 2018 लखनऊ में आयोजित किया जायेगा। विभाग देहरादून क्षेत्र उत्तराखंड के अध्यक्ष, डा. महेश भट्ट ने आईआईएसएफ-2018 पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए बताया कि इस वर्ष आईआईएसएफ-2018 का विषय परिवर्तन के लिए विज्ञान (साइंस फॉर ट्रांसफॉर्मेशन) रखा गया है जिसमें स्वच्छ भारत



भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-2018 में उपस्थित छात्र-छात्राएं। (छाया: गोपाल नारसन)

अभियान, स्वस्थ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रमों में अपने ज्ञान और विचारों को साझा करने हेतु युवाओं को मंच प्रदान किया जा रहा है। डा. अतुल अग्रवाल ने विद्यार्थियों को विज्ञान में युवाओं के लिए कैरियर के अवसर पर एक व्याख्यान के साथ प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो चरित्र निर्माण, मन सुदृढ़ एवं बुद्धि विस्तार कर, अपने पैरों पर खड़े होने में सक्षम करे। साथ

के सत्र में डा. अतुल अग्रवाल ने वैज्ञानिक जुनून: उत्तम शिक्षा और अंधविश्वास के विरुद्ध जंग विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि सीएसआईआर ने देश के ताने-बाने की पहचान अमिट स्याही के विकास से शुरूआत कर, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में अमिट छाप छोड़ी है। सीबीआरआई-सिम्फर, धनबाद के क्षेत्रीय केंद्र, सीबीआरआई कैम्पस, रूड़की के प्रधान वैज्ञानिक डा. आरडी द्विवेदी ने सुरंग अभियांत्रिकी से परिचय पर एक व्याख्यान दिया।

उन्होंने सुरंगों के महत्त्व, उपयोग, निर्माण तकनीकों और उपकरण के बारे में बताया। डा. अतुल अग्रवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी, ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी का स्वागत किया। प्रतिभागियों ने संस्थान की प्रयोगशालाओं ग्रामीण पार्क, भवन दक्षता, अग्नि अनुसंधान, पर्यावरण विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी-मृदा उत्पाद आदि का भ्रमण किया तथा संस्थान द्वारा किए गए नवीनतम विकास तथा प्रौद्योगिकियों की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ विचार-विमर्श सत्र में भाग लिया जहां उन्होंने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान पाया तथा अपनी ज्ञान पिपासा को शान्त किया। कार्यक्रम में विभिन्न स्कूल और कॉलेजों के 500 से अधिक विद्यार्थियों ने शिक्षकों के साथ दो सत्रों में भाग लिया। इस अवसर पर निदेशक डा. एन गोपाल कृष्णन, डा. एस सरकार, अनिल कुमार, शिल्पी जैन, बी श्रीनिवास, पलक गोयल, मेहराजुदीन, हरिश, प्रदीप कपूरीया आदि उपस्थित थे।



## सीबीआरआई में आज मनेगा विज्ञान महोत्सव

रुड़की। सीबीआरआई में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एके मिनोचा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि 28 सितंबर यानी आज संस्थान में विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि विज्ञान महोत्सव के दौरान संस्थान के दरवाजे शिक्षक, विद्यार्थी और आमजन के लिए खुले रहेंगे। उन्होंने बताया कि विज्ञान महोत्सव के अंतर्गत संस्थान में एक तकनीकी प्रदर्शनी के अंतर्गत संस्थान की तकनीकियों को चार्ट एवं प्रकाशनों द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा। बताया कि विज्ञान महोत्सव का उद्देश्य आम जनता को विज्ञान के साथ जोड़ना है। साथ ही विकसित कौशल से युवाओं की सहायता करना तथा विद्यार्थियों को विज्ञान क्षेत्र में अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करना है। इस दौरान वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल



अधिकारी डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने जानकारी दी कि चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 5 से 8 अक्टूबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। निदेशक डॉ. एन. गोपाल कृष्णन की ओर से डॉ. एस सरकार ने लखनऊ में होने वाले आईआईएसएफ-2018 में प्रतिभाग लेने तथा उसके अग्रगामी प्रसंग के रूप में 28 सितंबर को सीबीआरआई रुड़की में विज्ञान महोत्सव में भाग लेने का आह्वान किया। ब्यूरो

# आम लोगों को विज्ञान से कराया जाएगा परिचित



सीबीआरआइ रुड़की में आयोजित पत्रकार वार्ता में विज्ञान महोत्सव के बारे में जानकारी देते संस्थान के वैज्ञानिक • जागरण

जागरण संवाददाता, रुड़की: केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में शुक्रवार को आयोजित होने वाले विज्ञान महोत्सव के लिए संस्थान जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुला रहेगा। साथ ही तकनीकी प्रदर्शनी के माध्यम से संस्थान की तकनीकियों को चार्ट एवं प्रकाशनों से प्रदर्शित किया जाएगा।

गुरुवार को सीबीआरआइ में आयोजित प्रेसवार्ता में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डा. एके मिनोचा ने बताया कि संस्थान में शुक्रवार को विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विज्ञान फिल्म और व्याख्यानों से रोचक रूप में विज्ञान का प्रसार किया जाएगा। संस्थान की प्रयोगशालाओं का दौरा और वैज्ञानिकों से संवाद का अवसर लोगों को मिलेगा। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा. अतुल कुमार अग्रवाल ने बताया कि चौथा भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आइआइएसएफ) पांच से आठ अक्टूबर

## तैयारी

- सीबीआरआइ रुड़की में आज मनाया जाएगा विज्ञान महोत्सव
- जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुला रहेगा संस्थान

तक लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होगा। यह महोत्सव विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें युवा वैज्ञानिक सामाजिक संगठन, नवप्रवर्तक, उद्यमी, कला प्रेरक और अभ्यर्थी आइआइएसएफ के विभिन्न कार्यक्रमों में पंजीकृत होकर इसमें हिस्सा ले सकते हैं। बताया कि इस वर्ष आइआइएसएफ का विषय परिवर्तन के लिए विज्ञान (साइंस फॉर ट्रांसफॉर्मेशन) रखा गया है। इस मौके पर संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डा. एस सरकार भी उपस्थित रहे।



E-paper link:

<http://epaper.livehindustan.com/epaperimages/28092018/28092018-RRK-DDN-10.PDF>



रुड़की में गुरुवार को पत्रकारों से वार्ता करते सीबीआरआई के वैज्ञानिक। • हिन्दुस्तान

# विज्ञान को लोगों से जोड़ना जरूरी

रुड़की | कार्यालय संवाददाता

केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में शुक्रवार को विज्ञान महोत्सव आयोजित किया जाएगा। विज्ञान महोत्सव को देखते हुए संस्थान आम लोगों के लिए खुला रहेगा।

संस्थान में आयोजित पत्रकार वार्ता में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. एके मिनोचा ने बताया कि समाज को विज्ञान से जोड़ने के लिए वैज्ञानिक गतिविधियों से रूबरू कराने के लिए विज्ञान महोत्सव का बेहद महत्व है। शुक्रवार को संस्थान में विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत संस्थान आम जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुला रहेगा। संस्थान में

एक तकनीकी प्रदर्शनी लगाई जाएगी। जिसके तहत संस्थान की तकनीकियों को तकनीकी चार्ट एवं प्रकाशनों द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा। वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक

डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने बताया कि चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसफ-2018) 5 से 8 अक्टूबर को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। आईआईएसएफ 2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। जिसमें स्वच्छ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, स्मार्ट शहर, उन्नत भारत जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रम होंगे।



# वैज्ञानिक महोत्सव का आयोजन आज

रुड़की। जनमानस को विज्ञान से जोड़ने व वैज्ञानिक गतिविधियों से रूबरू कराने के लिए सीबीआरआई रुड़की एक वैज्ञानिक महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है। महोत्सव में आम जनमानस व छात्रों के अलावा शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया है। महोत्सव में पहुंचे अतिथियों को संस्थान द्वारा किये गये शोध के अलावा



प्रयोगशालाओं का दौरा कराया जायेगा। सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डा. ए. के. मिनोचा ने यहां संस्थान में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान पत्रकारों से मुखातिब होते हुए कहा कि संस्थान शुक्रवार को एक वैज्ञानिक महोत्सव का आयोजन करने जा रहा है, जिसमें विज्ञान से जोड़ने के लिए जन मानस को वैज्ञानिक गतिविधियों से रूबरू कराया जायेगा। उन्होंने कहा कि महोत्सव के दौरान

संस्थान में तकनीकी प्रदर्शनी के अंतर्गत संस्थान की तकनीकियों को तकनीकी चार्ट एवं प्रकाशनों द्वारा प्रदर्शित किया

जाएगा। साथ ही जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत चौथे भारतीय-अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-आईआईएसएफ-2018 के विषय में जानकारी दी जाएगी। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार अग्रवाल ने आईआईएसएफ-2018 के विषय में जानकारी देते हुए बताया कि यह चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 5 से 8 अक्टूबर के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित होने जा रहा है। उन्होंने

बताया कि आईआईएसएफ-2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विज्ञान

भारती के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आईआईएसएफ मुख्य रूप से विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिक और अनुसंधान कर्ताओं को प्रेरित करता है। उन्होंने बताया कि संस्थान के निदेशक डॉ. एन. गोपालकृष्णन की ओर से डॉ. एस. सरकार, मुख्य वैज्ञानिक ने आईआईएसएफ-2018 में प्रतिभाग लेने हेतु संस्थान द्वारा आज यहां विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया गया है।

Date: 29-09-2018

सीबीआरआई में होगा भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव, संस्थान विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए रहेगा खुला

## तकनीकी जानकारी के लिए विज्ञान महोत्सव महत्वपूर्ण

भास्कर समाचार सेवा

**रुड़की।** मुख्य वैज्ञानिक डा. एके मिनोचा ने बताया कि समाज को विज्ञान से जोड़ने व जनमानस को वैज्ञानिक गतिविधियों से रूबरू कराने के लिए विज्ञान महोत्सवों का अत्यन्त महत्व है। इसी दिशा में 28 सितंबर को संस्थान में एक विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत संस्थान आम जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुला रहेगा। तकनीकी प्रदर्शनी के अंतर्गत संस्थान की तकनीकियों को तकनीकी चार्ट एवं प्रकाशनों द्वारा प्रदर्शित किया



प्रेसवार्ता के दौरान जानकारी देते मुख्य वैज्ञानिक व अन्य।

जाएगा। बृहस्पतिवार को सीएसआईआर संस्थान रुड़की में पत्रकारों से वार्ता करते हुए मुख्य वैज्ञानिक डा. एके मिनोचा ने बताया कि जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत

चौथे भारतीय-अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-आईआईएसएफ-2018 के विषय में जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही विज्ञान फिल्म और व्याख्यानो द्वारा रोचक रूप में

विज्ञान का प्रसार किया जाएगा। आगंतुकों को संस्थान की प्रयोगशालाओं का दौरा एवं वैज्ञानिकों से संवाद का अवसर प्राप्त होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अतुल कुमार अग्रवाल ने बताया कि चौथा भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 5 से 8 अक्टूबर के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया जाएगा। आईआईएसएफ 2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष इसे बायो टेक्नोलोजी विभाग द्वारा समन्वित

किया जा रहा है और इसकी प्रमुख एजेंसी राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान एनआईआई है। विज्ञान महोत्सव का उद्देश्य व लक्ष्य आम जनता को विज्ञान के साथ जोड़ना तथा विद्यार्थियों को विज्ञान क्षेत्र में अध्ययन के लिए प्रोत्साहित करना है। आईआईएसएफ मुख्य रूप से विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिक और अनुसंधान कर्ताओं को प्रेरित करता है। कार्यक्रम में स्वच्छ भारत अभियान, स्वस्थ भारत अभियान, मेक इन इंडिया, स्मार्ट ग्राम, उन्नत भारत जैसे फ्लैगशिप कार्यक्रमों में अपने ज्ञान और विचारों को साझा करेंगे।

**विज्ञान महोत्सव आज**

रुड़की। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआई) में शुक्रवार को आयोजित होने वाले विज्ञान महोत्सव के लिए संस्थान जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुला रहेगा। साथ ही तकनीकी प्रदर्शनी के माध्यम से संस्थान की तकनीकियों को चार्ट एवं प्रकाशनों से प्रदर्शित किया जाएगा। मुख्य वैज्ञानिक डा. एके मिनोचा ने बताया कि संस्थान में शुक्रवार को विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विज्ञान फिल्म और व्याख्यानों से रोचक रूप में विज्ञान का प्रसार किया जाएगा। इस मौके पर संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा. अतुल कुमार अग्रवाल, मुख्य वैज्ञानिक डा. एस सरकार भी उपस्थित रहे।



Date: 28-09-2018

# वैज्ञानिक गतिविधियों से रुबरू होंगे जनमानस: मिनोचा

**रुड़की बड़ी विशाल।** सीबीआरआई में समाज को विज्ञान से जोड़ने व जन मानस को वैज्ञानिक गतिविधियों से रुबरू कराने के लिए कल (आज) आयोजित होने वाले 'विज्ञान महोत्सव' को लेकर फरवरी वार्ता का आयोजन किया।

सीएसआईआर-केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में फरवरी से वार्ता करते हुए मुख्य वैज्ञानिक डॉ ए के मिनोचा ने कहा कि समाज को विज्ञान से जोड़ने के लिए जन मानस को वैज्ञानिक गतिविधियों से रुबरू कराने के लिए विज्ञान महोत्सव का अत्यन्त महत्व है। इसी दिशा में 28 सितम्बर 2018 को संस्थान में एक विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत संस्थान आम जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुल रहेगा। संस्थान में एक तकनीकी प्रदर्शनों के अंतर्गत संस्थान की

तकनीकियों को तकनीकी चार्ट एवं प्रकाशनों द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा।

प्रयोगशालाओं का दौरा तथा वैज्ञानिकों से संवाद का अवसर प्राप्त होगा।



वागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत चौथे भारतीय-अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-आईआईएसएफ-2018 के विषय में जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही विज्ञान फिल्म और व्याख्यान द्वारा रोचक रूप में विज्ञान का प्रसार किया जाएगा। आगन्तकों को संस्थान की

वरिष्ठ प्रमाण वैज्ञानिक एवं नडल अधिकारी डॉ अतुल कुमार अग्रवाल ने आईआईएसएफ -2018 के विषय में बताया कि चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव 'आईआईएसएफ-2018' 5-8 अक्टूबर के दौरान इंदिरा गाँधी प्रतिष्ठान लखनऊ में आयोजित किया

जा रहा है। आईआईएसएफ 2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा

पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विज्ञान भारते के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आईआईएसएफ मुख्य रूप से विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिक और अनुसंधान कर्ताओं को प्रेरित करता है। युवा वैज्ञानिक, स्नत्कर स्नत्कोत्तर विद्यार्थी, सामाजिक संगठन, स्वयंसेवक, स्टार्ट-अप, उद्यमी, कार्यकर्ता, बच्चा प्रेक्षक तथा अभ्यर्थी सभी आईआईएसएफ में विभिन्न कार्यक्रमों में प्रवीण होकर भाग ले सकते हैं। निदेशक डॉ एन गोपाल कृष्णन की ओर से डॉ एम. सरकार, मुख्य वैज्ञानिक ने लखनऊ में होने वाले आईआईएसएफ-2018 में प्रतिभाग लेने तथा उसके अग्रगामी प्रसंग के रूप में कल (आज) सीबीआरआई रुड़की में विज्ञान महोत्सव में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया तथा सभी का आभार जताया।



Date: 28-09-2018

# भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव कार्यक्रम आज

## आम जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुला रहेगा संस्थान

रूड़की, 27 सितम्बर (संवाद): सीबीआरआई में समाज को विज्ञान से जोड़ने व जन मानस को वैज्ञानिक गतिविधियों से रूबरू कराने के लिए 28 सितम्बर को आयोजित होने वाले विज्ञान महोत्सव को लेकर पत्रकार वार्ता का आयोजन किया। सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में पत्रकारों से वार्ता करते हुए मुख्य वैज्ञानिक डा. एके मिनोचा ने कहा कि समाज को विज्ञान से जोड़ने के लिए जन मानस को वैज्ञानिक गतिविधियों से रूबरू कराने के लिए इन विज्ञान महोत्सवों का अत्यन्त महत्व है। इसी दिशा में 28 सितम्बर 2018 को संस्थान में एक विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत संस्थान आम जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुला रहेगा। संस्थान में एक तकनीकी प्रदर्शनी के अंतर्गत संस्थान की तकनीकियों को तकनीकी चार्ट



सीएसआईआर-केन्द्रीय भवन अनुसंधान संस्थान में पत्रकार वार्ता करते मुख्य वैज्ञानिक डा. एके मिनोचा व अन्य। (छाया : गोपाल नारसन)

एवं प्रकाशनों द्वारा प्रदर्शित किया जाएगा। जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत चौथे भारतीय-अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव-आईआईएसएफ-2018 के विषय में जानकारी दी जाएगी। इसके साथ ही विज्ञान फिल्म और व्याख्यानों द्वारा रोचक रूप में विज्ञान का प्रसार किया जाएगा। आगुन्तकों को संस्थान की प्रयोगशालाओं का दौरा तथा

वैज्ञानिकों से संवाद का अवसर प्राप्त होगा। डा. अतुल कुमार अग्रवाल, वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक एवं नोडल अधिकारी, ने आईआईएसएफ-2018 के विषय में बताया कि चौथा भारतीय अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आईआईएसएफ-2018) 5-8 अक्टूबर के दौरान इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान, लखनऊ में आयोजित किया जा रहा है। आईआईएसएफ

2018 को विज्ञान और प्रौद्योगिकी, मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय द्वारा विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि आईआईएसएफ मुख्य रूप से विद्यार्थियों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिक और अनुसंधानकर्ताओं को प्रेरित करता है। युवा वैज्ञानिक, स्नातक/स्नातकोत्तर विद्यार्थी, सामाजिक संगठन, नवप्रवर्तक, स्टार्ट-अप, उद्यमी, कार्यकर्ता, कला प्रेरक तथा अभ्यर्थी, सभी आईआईएसएफ में विभिन्न कार्यक्रमों में पंजीकृत होकर भाग ले सकते हैं। निदेशक डा. एन गोपालकृष्णन की ओर से डा. एस सरकार, मुख्य वैज्ञानिक ने लखनऊ में होने वाले आईआईएसएफ-2018 में प्रतिभाग लेने तथा उसके अग्रगामी प्रसंग के रूप में कल(आज) सीबीआरआई रूड़की में विज्ञान महोत्सव में भाग लेने हेतु आमंत्रित किया तथा सभी का आभार जताया।



## विज्ञान महोत्सव आज

स्वतंत्र चेतना  
रुड़की। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सीबीआरआइ) रुड़की में आज आयोजित होने वाले विज्ञान महोत्सव के लिए संस्थान जनता, विद्यार्थियों और शिक्षाविदों के लिए खुला रहेगा। साथ ही तकनीकी प्रदर्शनी के माध्यम से संस्थान की तकनीकियों को चार्ट एवं प्रकाशनों से प्रदर्शित किया जाएगा।

गुरुवार को सीबीआरआइ में आयोजित प्रेसवार्ता में संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डा. एके मिनोचा ने बताया कि संस्थान में शुक्रवार को विज्ञान महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें विज्ञान फिल्म और व्याख्यानो से रोचक रूप में विज्ञान का प्रसार किया जाएगा। संस्थान की प्रयोगशालाओं का दौरा और वैज्ञानिकों से संवाद का अवसर लोगों को मिलेगा। संस्थान के वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डा.अतुल कुमार अग्रवाल ने बताया



कि चौथा भारतीय अंतरराष्ट्रीय विज्ञान महोत्सव (आइआइ-एसएफ) पांच से आठ अक्टूबर तक लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित होगा। यह महोत्सव विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय और विज्ञान भारती के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इसमें युवा वैज्ञानिक, स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थी, सामाजिक

संगठन, नवप्रवर्तक, स्टार्ट-अप, उद्यमी, कार्यकर्ता, कला प्रेरक और अभ्यर्थी आइआइएसएफ के विभिन्न कार्यक्रमों में पंजीत होकर इसमें हिस्सा ले सकते हैं। बताया कि इस वर्ष आइआइएसएफ का विषय परिवर्तन के लिए विज्ञान (साइंस फर ट्रांसफॉर्मेशन) रखा गया है। इस मौके पर संस्थान के मुख्य वैज्ञानिक डा.एस सरकार भी उपस्थित रहे।